भजन

तर्ज–दिल लूटने वाले

जिंद देके जे ओदा प्यार मिले, तां फिर वी सौदा माड़ा नही
सिर देके जे सरकार मिले, तां फिर वी सौदा माड़ा नही

1–जेड़ा झिड़का झम्बा सह जावे, दर उसदा मल के बै जावे
हर वेले पई फटकार मिले
तां फिर वी .....

2–भूल जा तू झूठियां शाना नू, छड़दे सब मान गुमाना नू
भावें जीत दे बदले हार मिले
तां फिर वी.....

3–गम सिर ते चाने पैन्दे ने, कई चक्कर लगाने पैन्दे ने
सौ जन्मा दा इकरार मिले
तां फिर वी.....

4–ए प्यार लगाना सौखा है, पर प्यार निभाना औखा है
सिर दे के जे सरकार मिले
तां फिर वी.....